CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 27 ▫ अंक- 341 ▫ रायपुर, शनिार 4 जनवरी 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मुख्य आरोपी सहित 3 लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

डीआईजी एवं एसपी को ज्ञापन देने के बाद पत्रकारों ने बीजापुर नेशनल हाइवे पर चक्काजाम किया समाप्त

बीजापुर, 4 जनवरी (हाईवे चैनल)। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में बीजापुर पुलिस तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इनमें मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर के अलावा रितेश चंद्राकर और दिनेश चंद्राकर शामिल हैं। तीनों आपस में भाई हैं। पुलिस मामले में आज दोपहर तक ताजा जानकारी प्रस्तुत करेगी। इधर पूरे घटनाक्रम को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। आज सुबह बीजापुर के नेशनल हाईवे पर बीजापुर, जगदलपुर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिले के पत्रकारों ने पहुंचकर सांकेतिक चक्काजाम किया। लगभग 11 बजे डीआईजी, कलेक्टर, एसपी ने चक्काजाम स्थल पर पहुंचकर पत्रकारों से चर्चा करने उपरांत पत्रकारों ने ज्ञापन देकर सांकेतिक चक्काजाम समाप्त कर दिया। तत्पश्चात मृतक पत्रकार का शव अंतिमयात्रा के लिए रवाना हुआ।

भ्रष्टाचार की खबर उजागर करना पड़ा भारी- सड़क निर्माण में 120 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार उजागर करने वाले छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की नृशंस हत्या कर दी गई है। वो एक जनवरी की शाम सात बजे से लापता थे। उनका शव सेप्टिक टैंक में मिला है। ठेकेदार और उनके रिश्तेदार सुरेश चंद्राकर के बाड़े में बने सेप्टिक टैंक से उनकी लाश निकाली गई। मौके पर पुलिस बल भारी संख्या में मौजूद रही। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। आज शनिवार को इस घटना से आक्रोशित पत्रकारों ने बीजापुर में चक्काजाम किया है। बीजापुर समेत बस्तर संभाग के पत्रकार सड़क पर बैठे हुए थे।

कुछ दिन पहले पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने 120 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क के भ्रष्टाचार की खबर प्रसारित की थी। इसमें सड़क के खस्ताहाल स्थिति को उजागर किया था। बताया जाता है कि यह काम ठेकेदार सुरेश चंद्राकर ने ही करवाया था। इस वजह से मुकेश चंद्राकर और ठेकेदार सुरेश चंद्राकर में अनबन चल रही थी। इसलिए पत्रकार की हत्या को सुरेश चंद्राकर से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस सुरेश चंद्राकर के छोटे भाई को भी इस मामले में हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मामले की सच्चाई क्या है। बताया जा रहा है कि 120 करोड़ की लागत से नेलसनार कुडोली, मीरतुर की सड़क बनाई गई है। लगभग 5 से 6 दिन पहले ही पत्रकार मुकेश ने रायपुर से आए एक साथी के साथ मिलकर इस सड़क में भ्रष्टाचार की खबर को प्रमुखता से प्रसारित किया था। जिस वजह से मुकेश चंद्राकर और उसके रिश्तेदार सुरेश चंद्राकर में विवाद हो गया था। वे लोग पत्रकार से बार-बार संपर्क साधने की कोशिश कर रहे थे। एक जनवरी को एक व्यक्ति मुकेश चंद्राकर के घर पहुंचा था और उसे एक जगह पर चलने की बात कही थी। इसके बाद से ही मुकेश चंद्राकर लापता थे। जिस जगह से लाश बरामद की गई, वहां पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। मौके पर एफएसएल की टीम और पुलिस के आला अफसर मौजूद रहे। बड़ी संख्या में बस्तर संभाग के जिलों से पत्रकार भी घटना स्थल पर पहुंचे। परिजनों और पुलिस के मुताबिक मुकेश चंद्राकर एक जनवरी से लापता थे।

आमतौर पर सेप्टिक टैंक में एक हिस्सा खुला छोड़ा जाता है, जिस पर ढक्कन लगाया जाता है। या एक चैंबर खुला छोड़ दिया जाता है। साफ सफाई करने के लिए इस चैंबर को अलग से लगाया जाता है। आरोपियों ने लाश को छिपाने के लिये पूरी तरह से सेप्टिक टैंक को कांक्रीट से सील कर दिया था। जब पत्रकारों की नजर इस पूरी तरह से ढके हुए सेप्टिक टैंक पर पड़ी तो उन्होंने इसे तुड़वाने की बात कही। इसे लेकर पत्रकार और पुलिस के बीच अनबन भी हो गई थी। बाद में इसी सेप्टिक टैंक को तोड़ा गया तो उसके अंदर पत्रकार मुकेश चंद्राकर की लाश देखी गई। शव को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्यारे ने पहले गला घोंटा होगा। उसके बाद सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए होंगे। क्योंकि सिर पर करीब ढाई इंच का गहरा गड्ढा हो गया है। ऐसा लग रहा है जैसे कुल्हाड़ी से वार किया गया है।

पत्रकार की हत्या के तार रायपुर से जुड़े- ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के छोटे भाई रितेश चंद्राकर की सीजी20-3333 नंबर की कार रायपुर एयरपोर्ट पर खड़ी पाई गई थी। गुरुवार को 6.40 बजे दिल्ली फ्लाइट में उसके भागने का अनुमान लगाया जा रहा था। ठेकेदार पूरे परिवार समेत गायब था। सुरेश चंद्राकर का सबसे छोटा भाई पुलिस हिरासत में है। पुलिस पूछताछ कर रही है। चर्चा ये भी है कि पुलिस ने ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। इस मामले में बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पेंशनधारकों के लिए पूरे भारत में सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट सिस्टम लागू

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पूरे भारत में सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट सिस्टम को सफलतापूर्वक लागू कर दिया है। इस नई प्रणाली से देश के 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। श्रम मंत्रालय के अनुसार, सीपीपीएस का उद्देश्य पेंशन वितरण प्रक्रिया को अधिक सरल, तेज़ और प्रभावी बनाना है।

इस नई प्रणाली के तहत, पेंशनभोगी अब किसी भी बैंक या शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त कर सकते हैं। पेंशन शुरू करते समय बैंक जाकर वेरिफिकेशन कराने की आवश्यकता भी समाप्त हो गई है। पेंशन राशि जारी होते ही सीधे पेंशनभोगियों के खाते में जमा कर दी जाएगी, जिससे प्रक्रिया और अधिक सुविधाजनक हो गई है।

सीपीपीएस ने पेंशन वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव लाते हुए पेंशन भुगतान आदेश को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। यह उन पेंशनभोगियों के लिए राहतकारी साबित होगा, जो रिटायरमेंट के बाद स्थान बदलते हैं या अपना बैंक खाता स्थानांतरित करते हैं।

सीपीपीएस का पहला पायलट प्रोजेक्ट अक्टूबर 2024 में करनाल, जम्मू, और श्रीनगर के क्षेत्रीय कार्यालयों में शुरू हुआ था, जिसमें 49,000 से अधिक पेंशनभोगियों को 11 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई। नवंबर में 24 और क्षेत्रीय कार्यालयों में पायलट प्रोजेक्ट का विस्तार हुआ, जहां 9.3 लाख पेंशनभोगियों को 213 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। दिसंबर 2024 में यह प्रणाली ईपीएफओ के सभी 122 क्षेत्रीय कार्यालयों में लागू की गई, जिसमें 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को 1,570 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने सीपीपीएस को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा, इस पहल से पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी, किसी भी बैंक या शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त करने की सुविधा मिली है। यह EPFO के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

जब तक मुख्यमंत्री बच्चों से मिल नहीं लेते तब तक अनशन जारी रहेगा : प्रशांत किशोर

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा है कि जबतक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों से मिल नहीं लेते हैं, तबतक उनका अनशन जारी रहेगा।

प्रशांत किशोर गुरुवार की शाम से लगातार गांधी मैदान में बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। इस दौरान पटना के एडीएम ने धरनास्थल पर जाकर प्रशांत किशोर से बातचीत की और उन्हें धरना वापस लेने को कहा। प्रशांत किशोर ने एडीएम को साफ तौर पर कहा कि धरना वापस लेना अब संभव नहीं, हजारों बच्चों का मुझपर विश्वास है और खास कर 29 दिसंबर को प्रशासन के कहने पर मैंने छात्रों को उठने के लिए कहा था और फिर प्रशासन ने क्रूरतापूर्वक बच्चों पर लाठी चलाया है, अब किसी भी हालत में प्रशासन के कहने पर मैं आंदोलन वापस नही लूंगा। प्रशांत किशोर ने बताया सिर्फ एक ही शर्त पर यह आंदोलन वापस लिया जाएगा, जब मुख्यमंत्री बच्चों से मिलेंगे उनकी बातों को सुनेंगे और बच्चे खुद तय करेंगे कि उन्हें आगे क्या करना है। बच्चों का निर्णय मुझे स्वीकार होगा।

ब्रेकिंग न्यूज

चुनाव बाद दिल्ली में पानी के बिल होंगे माफ : केजरीवाल

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक और बड़ा एलान किया है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से कहा कि गलत पानी के बिलों को न भरें। जिन लोगों के गलत पानी के बिल आए हुए हैं, उन्हें भरने की जरूरत नहीं है। चुनाव के बाद उनके गलत बिल माफ कर दिए जाएंगे।

भाजपा की सूची जारी, केजरीवाल के खिलाफ लड़ेंगे परवेश वर्मा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। बीजेपी ने दिल्ली चुनाव 2025 के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। परवेश वर्मा नई दिल्ली विधानसभा सीट से आप के अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी से रमेश बिधूड़ी चुनाव लड़ेंगे। करोल बाग से दुष्यंत गौतम, राजौरी गार्डन से मनजिंदर सिंह सिरसा, बिजवासन से कैलाश गहलोत और गांधी नगर से अरविंदर सिंह लवली को टिकट दिया गया है।

केजरीवाल से मिले राकेश टिकैत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले किसान नेता राकेश टिकैत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। बैठक में संजय सिंह समेत आप के कई नेता भी मौजूद थे। बाद में मीडिया से बात करते हुए, टिकैत ने साझा किया कि उपस्थित अधिवक्ताओं ने कई कल्याणकारी मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के कुछ कल्याणकारी मुद्दे थे।

प्रेमिका को भगाया, शादी की और सिर पर हथौड़ा मार कर दे दी मौत

रायपुर, 4 जनवरी (हाईवे चैनल)। शादीशुदा युवक के साथ एक 25 वर्षीय युवती को प्रेम होता है। दोनो भागकर 7 जन्मों तक जीने-मरने की कसमें खाते हैज् लेकिन मामूली से विवाद के बाद पति ने अपनी पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार कर उसको दर्दनाक मौत दे दी. पति ने अपनी पत्नी की लाश को छिपाने के लिए अजय देवगन की फिल्म दृश्यम का फार्मूला अपनाया और लाश को मलबे में दबाकर फरार हो गया. लेकिन अब आरोपी पति पुलिस गिरफ्त में है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हत्या के बाद मृतका की लाश निर्माणाधीन बिल्डिंग में दबा दी गई थी, इसके बाद से पति की तलाश जारी थी, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है. बता दें कि पचपेढी नाका कलर्स मॉल के पास निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में पिथौरा निवासी 25 वर्षीय सुनीता ध्रुव की हत्या करके फरार मृतका के ही पति रामेश्वर दीवान (45 वर्ष) को पुलिस ने दो महीने बाद गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी से पूछताछ में पता चला कि दोनों ने प्रेम विवाह किया था. पिथौरा से आकर कॉम्प्लेक्स में मजदूरी करते हुए लेबर क्वॉर्टर में रहते थे. दिवाली से पहले मजदूरी के रुपए को लेकर दिवाली की रात 31 अक्टूबर को दोनों के बीच विवाद हुआ तो रामेश्वर ने सुनीता के सिर पर हथौड़ा मारकर हत्या कर दी. इसके बाद शव को मलबे में दबाकर फरार हो गया. साथ काम करने वाले मजदूर भी नहीं जानते थे दोनों को राजेन्द्रनगर पुलिस के मुताबिक कॉम्प्लेक्स के मैनेजर विजय तिवारी की सूचना पर 9 नवंबर को शव बरामद किया गया. मृतका की पहचान करने में ही पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी. दिवाली के बाद मजदूर कॉम्प्लेक्स में काम करने लौटे, तब शव देखा गया लेकिन मृतका को कोई पहचानता नहीं था. इसके बाद पिथौरा में सुनीता ध्रुव के परिवार वाले मिले. तब पता चला कि सुनीता ने शादीशुदा रामेश्वर दीवान के साथ प्रेम प्रसंग में पड़कर शादी की थी. बेलर पिथौरा निवासी रामेश्वर शादीशुदा व बाल बच्चेदार था. वह सुनीता को भगाकर रायपुर ले आया और दोनों यहीं मजदूरी कर रहे थे.

फिल्म दृश्यम स्टाइल में छिपाई थी लाश

पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का निधन

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व प्रमुख और भारत के परमाणु कार्यक्रम के वास्तुकारों में से एक डॉ. आर. चिदंबरम का शनिवार सुबह मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार चल रहे थे। चिदम्बरम उन कुछ वैज्ञानिकों में से एक थे जिन्होंने 1974 और 1998 में भारत के दोनों परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह अमेरिका के साथ नागरिक परमाणु समझौते को अंतिम रूप देने में भी बहुत करीब से शामिल थे, जिसने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु समुदाय में भारत के अलगाव को समाप्त कर दिया था। डीएई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि हम अत्यंत दुख के साथ सूचित करते हैं कि प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का चार जनवरी 2025 को तीन बजकर 20 मिनट पर निधन हो गया। भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं में डॉ. चिदंबरम के अद्वितीय योगदान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके दूरदर्शी नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 2 की मौत, 2 की हालत गंभीर

कोरबा, 4 जनवरी (हाईवे चैनल)। कोरबा में बेलगाम दौड़ रही गाड़ियां सड़क हादसे का शिकार हो गई. दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है. घायलों को पुलिस की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है

पहली घटना बांगो थाना अंतर्गत मदनपुर घाटी के पास घटी, जहां तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी. घटना में 35 वर्षीय गणेश प्रजापति और 35 वर्षीय रुद्रेश्वर गोड दोनों एसईसीएल कर्मियों की मौके पर मौत हो गई. वहीं दो घायल बिहारी प्रजापति और श्यामलाल प्रजापति में से श्याम लाल की हालत गंभीर बताई गई है. घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची बांगो थाना पुलिस वाहन में फंसे शव को निकालने में जुटी है.दूसरी घटना रिसदी रजगामार मुख्य मार्ग पर घटी, जिसमें तेज रफ्तार ओला स्कूटी ट्रेक्टर से जा टकराई. स्कूटी में 4 लोग सवार थे, जिनमें से एक युवक और तीन युवतियों की से एक की हालत गंभीर है. हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ लग गई, घायलों को 108 की मदद उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया है. घटना की सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दे दी गई है.

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, केजरीवाल कह रहे हैं कि गलत पानी का बिल मत भरो। चुनाव के बाद सब माफ किए जाएंगे।
चुहिया- हां जी, और केजरीवाल की सरकार नहीं आई तो पेनाल्टी कौन भरेगा?

भीषण ठंड को लेकर कई राज्यों में अलर्ट, सैकड़ों ट्रेनें-उड़ानें प्रभावित

पहाड़ों में बर्फबारी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। नए साल पर शुरू हुई सर्दी का सितम लगातार बढ़ता ही जा रहा है। कड़ाके की ठंड के बीच कोहरा ने भी दस्तक दे दी। कोहरे के कारण लोगों का जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं, धुंध के चलते हाईवे समेत अन्य मार्गों पर वाहनों के पहिये की रफ्तार भी थम सी गई है। विमान और ट्रेन के मुसाफिरों पर कोहरे का कहर पड़ रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदल चुका है। शनिवार सुबह से ही पूरे एनसीआर में घना कोहरा छाया हुआ है। कई जगहों पर दृश्यता जीरो तक पहुंच गई है। ऐसे में लोगों को सड़क पर गाड़ियों की फॉग लाइट जलानी पड़ रही है। वहीं कोहरे की वजह से रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की चाल थम गई। कानपुर के यात्री बृज किशोर वर्मा का कहना है कि कानपुर से आने वाली ट्रेन छह घंटे देरी से चल रही है। वह दो-तीन घंटे से स्टेशन पर इंतजार कर रहे हैं। उन्हें बताया गया है कि सभी ट्रेनें देरी से चल रही हैं। वहीं हवाईअड्डों पर विमानों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। इससे यात्रियों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा।

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से शुक्रवार को संचालित होने वाली 100 से ज्यादा विमान देरी का शिकार हुई। रनवे पर दृश्यता घटने की वजह से लो विजिबिलिटी प्रोसीजर लागू कर विमानों की आवाजाही कराई गई। इससे अन्य विमानों के संचालन में देरी हुई और यात्रियों को एयरपोर्ट के टर्मिनल पर विमानों के इंतजार में परेशान होना पड़ा। उधर, रेलवे ट्रैक पर चलने वाली उत्तर भारत की 150 से अधिक ट्रेन देरी का शिकार हुई। इसमें दिल्ली पहुंचने वाली 41 से अधिक ट्रेन परिवर्तित समय से रवाना की गई। देरी से चलने वाली ट्रेन में मुख्य रूप से महाबोधी एक्सप्रेस दो घंटे से अधिक, नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ सात घंटे से अधिक, पूरबिया एक्सप्रेस चार घंटे से अधिक, विक्रमशिला तीन घंटे से अधिक देरी से संचालित हुई।

चीन में कोरोना की तरह फैला एचएमपीवी वायरस! भारत के लिए भी बन सकता है नई महामारी?

नई दिल्ली, 4 जनवरी (न्यूज चैनल)। भारत में स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में चीन में फैल रहे मानव मेटान्यूमोवायरस के बारे में एक अपडेट जारी किया है। इस वायरस ने चीन में निमोनिया के मामलों को बढ़ा दिया है, लेकिन मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों के लिए चिंता की कोई बात नहीं होने की पुष्टि की है। हालांकि, वायरस को लेकर कोई गंभीर खतरे का संकेत नहीं मिला है, और भारत में वायरल संक्रमणों और श्वसन संबंधी बीमारियों के मामलों में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और अन्य स्वास्थ्य संस्थान वायरस के प्रसार पर नजर रख रहे हैं और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों पर बारीकी से ध्यान दे रहे हैं। मंत्रालय ने साथ ही यह भी कहा कि चीन में फैल रहा वायरस आमतौर पर सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण उत्पन्न करता है, जो बुजुर्गों और छोटे बच्चों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन भारत में इस वायरस के कारण कोई गंभीर स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है।

मंत्रालय ने यह भी सलाह दी है कि लोग सामान्य सर्दी और बुखार से बचाव के लिए अपने संपर्क में आने वाले संक्रमित व्यक्तियों से दूर रहें और बुनियादी सावधानियों का पालन करें। एचएमपीवी वायरस के लक्षणों में आमतौर पर सर्दी, जुकाम और खांसी शामिल होते हैं, और यह बच्चों में श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है।

CMYK